ई-न्यूज
# 24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, शनिवार 28 जून 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 86


# आरएनटी के रहनुमाओं, अफसरों, जन प्रतिनिधियों-सिर्फ एक दिन गुजार कर देखो करंट वाले हॉस्टलों में! पता चल जाएगा कि मौत का खौफ क्या होता है...

**24 न्यूज अपडेट**

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल और अस्पतालों में करंट से हड़कंप मचा हुआ है मगर नेता, जन प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और खाने खिलाने की संस्कृति में विश्वास रखने वालों का मजबूत गठजोड़ इसे मजाक में ले रहा है। मैनेज करने की कोशिश कर रहा है। दबाने में जुटा है। हडताल को ही गलत बताने पर जुटा है। अब फर्ज कीजिए कि करंट से मरने वाला डाक्टर रवि शर्मा की जगह कोई नेता रवि शर्मा क्या प्रशासनिक अधिकारी रवि शर्मा होता तो क्या इतनी ही खामोशी होती। क्या इतने ही आराम और चलताउ तरीके से वार्ताएं कर रहे होते। शायद नहीं होता, शायद कई-कई लोग सस्पेंड होकर अब तक जेल की हवा खा चुके होते। कईयों को चार्जशीट मिल गई होती। चुन-चुन कर गुनहगारों की मीडिया ट्रायल चल रही होती। मगर यहां मामला रेजिडेंट का है तो सब चुपचाप बैठे शुतुमुर्ग की तरह मुंह रेत में छिपा कर बैठ गए हैं। कार्रवाई तत्काल करनी है, जांच करने की बात कर रहे हैं। अंदरखाने कह रहे हैं कि उपर से प्रेशर है। रेजिडेंट पूछ रहे हैं कि आखिर कौन है वो उपरवाला जिसको किसी की मौत से भी फर्क नहीं पड़ता, जो अपने देश के सबसे शार्प ब्रेन को करंट से मरने, करंट से खाफजदा होने में खुशी महसूस कर रहा है। जर्जर इमारतों से गिरते प्लास्तरों ने ऐसी पोल खोल दी है कि अब यह कहने से गुरेज नहीं होना चाहिए कि यहा पर महा-भ्रष्टाचार का बोलबाला है। प्लातर गिरने के बाद पीडब्ल्यूडी कह रहा है कि हॉस्टल खाली करवा दो। इससे पहले क्यों नहीं करवाया और प्लास्तर गिर गया तो किसको सस्पेंड किया! किसी को नहीं। अब तो लगता है कि कोई बड़ा अफसर या नेता अस्पताल आए और उसके सिर पर वैसा ही प्लास्तर गिरे तब जाकर किसी ठोस कार्रवाई के लिए कोई पृष्ठभूमि तैयार हो। यह ढीठता हमारे शार्प ब्रेन डाक्टर्स में जो बेचैनी पैदा कर रही है उसके असर बहुत दूरगामी होने वाले हैं। आज गर्ल्स हॉस्टल में प्लास्तर गिर गया। एक अन्य हॉस्टल में करंट आ रहा है जिसकी लिखित शिकायत की गई है। इतने गंभीर मामले में सांसद, विधायक एकदम सुस्त पड़े हुए हैं। बिजली उपकरणों की ऑडिट की बात की जा रही है

जबकि जरूरत तत्काल राहत दिलाने की है, एक्शन लेने की है। ऐसे में कई बार लगता है कि सब तरफ शून्य पसर गया है। अपने आपने बॉस को खुश करके सब खुश हैं, जनता की किसी को नहीं पड़ी है। सुबूत सामने हैं, मगर कार्रवाई नहीं हो रही है। गजब की अंधेरगर्दी मचा रखी है। आरएनटी प्रशासन को लगा कि डाक्टर रवि की मौत का मामला जैसे तैसे टाइम लेकर और हड़ताल करने वालों को थका कर ठंडे बस्ते में डाल कर बच जाएंगे लेकिन लगातार हॉस्टलों में करंट व प्लास्तर गिरने की घटनाओं ने जबर्दस्त तरीके से सबको एक्सपोज कर दिया है। अब तो लोग पूछने लग गए हैं कि पीडब्ल्यूडी, बिजली विभाग से आखिर क्या मिलीभगत है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि पीछे से कोई पूरे सिस्टम को ही डिक्टेट करते हुए चला रहा है। जो कार्रवाई हाथोंहाथ होनी थी व उसके जरिये पूरे भ्रष्ट सिस्टम को मैसेज जाना था उसकी जगह उल्टा मैसेज दिया जा रहा है कि हमने परीक्षाएं रख ली हैं, अटेंडेंस शॉर्ट हो जाएंगी, सेमेस्टर के एग्जाम व प्रेक्टिकल मे नहीं आए तो डिग्री खतरे में आ जाएगी। आरएनटी के मेडिकल कॉलेज और इससे संबद्ध हॉस्पिटल परिसरों में विद्युत सुरक्षा व्यवस्थाओं की गंभीर लापरवाही के चर्चे अब पूरे देश में हैं। आज टीबी हॉस्पिटल बड़ी में करंट रिसाव की नर्सिंग छात्रों ने शिकायत की। मेटल अलमारियों, फायर सिलेंडर और दीवारों में करंट की मौजूदगी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में छात्र टेस्टर से करंट की पुष्टि करते दिख रहे हैं। इसके बाद भी आज कुछ नहीं हुआ। कोई सस्पेंड नहीं हुआ, किसी की नौकरी पर आंच नहीं आई। ये आपराधिक मजाक नहीं तो और क्या है???

## डॉक्टरों और छात्रों में भारी आक्रोश

रेजिडेंट यूनियन के महासचिव डॉ. हितेश शर्मा ने बताया कि "रात को डॉक्टर पानी पीने कूलर पर गए और उन्हें फिर करंट लगा। हमने खुद टेस्टर से चेक कर वीडियो बनाए। यह गंभीर लापरवाही है।" डॉ. जतिन ने कहा "कॉलेज प्रशासन ने कहा था कि कूलर को ठीक करवा दिया गया है, लेकिन अब भी करंट आ रहा है। यह मौत का कुआं है। प्रशासन हमारी जिम्मेदारी लेगा क्या?" टीबी हॉस्पिटल में करंट रिसाव के बाद से परिसर में रहने वाले सैकड़ों नर्सिंग स्टूडेंट और रेजिडेंट डॉक्टर में मौत का खौफ है। दीवारों, अलमारियों और फायर सिलेंडरों में करंट की शिकायत के बाद अस्पताल और हॉस्टल की विद्युत सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। पता नहीं कब कहां से करंट उन्हें अपनी ओर खींच ले।

## रेजिडेंट्स और छात्र संगठनों की मांग

रेजिडेंट्स और छात्र संगठनों ने तत्काल सभी हॉस्टलों और हॉस्पिटल परिसरों की विद्युत लाइन और उपकरणों की जांच कर सुधार की मांग की है। साथ ही प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द कदम नहीं उठाए गए तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। आज जनरल बॉडी मीटिंग में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि जब तक डॉ. रवि शर्मा को न्याय और विद्युत सुरक्षा की मांगें पूरी नहीं होती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। जयपुर में हेल्थ सेक्रेटरी से डेलिगेशन मुलाकात करेगा अजमेर में आज डेलिगेशन विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मिलेगा। क्रमिक अनशन जारी है। शाम 7 बजे कॉलेज और हॉस्पिटल परिसर में विशाल रैली निकाली जाएगी। साथ ही जयपुर में हैल्थ सेक्रेटरी से मुलाकात होगी। विद्यार्थियों की शिकायत, विद्युत सुधार की मांग छात्रों ने नोडल अधिकारी व हॉस्टल वार्डन को लिखित में शिकायत दी है। शिकायत में कहा गया है अलमारी, दीवार और वाटर कूलर में करंट दौड़ रहा है। विद्युत झटका कभी भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता है। कृपया शीघ्र समाधान किया जाए।"

## भारत ने बांग्लादेश से जूट-प्रोडक्ट के इंपोर्ट पर पाबंदी लगाईःअब सिर्फ महाराष्ट्र के एक बंदरगाह से एंट्री होगी; इस फैसले से भारतीय जूट इंडस्ट्री को फायदा होगा

**24 न्यूज अपडेट**

भारत ने बांग्लादेश से जूट और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स के इंपोर्ट पर पाबंदी लगा दी है। यह फैसला दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के चलते लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब बांग्लादेश से जूट प्रोडक्ट्स सिर्फ महाराष्ट्र के न्हावा शेवा बंदरगाह के जरिए ही भारत में आ सकेंगे।

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स के तहत काम करने वाले डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (DGFT) ने शुक्रवार को इस बारे में नोटिफिकेशन जारी किया था। सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेश से जूट के इंपोर्ट पर यह पाबंदी इसलिए लगाई गई है। क्योंकि वहां से सस्ते और सब्सिडी वाले जूट प्रोडक्ट्स के इंपोर्ट से भारत की जूट इंडस्ट्री लंबे समय से नुकसान झेल रही है।

दरअसल, साउथ एशियन फ्री ट्रेड एरिया (SAFTA) के तहत बांग्लादेश से जूट प्रोडक्ट्स को भारत में बिना ड्यूटी के इंपोर्ट की छूट है। लेकिन बांग्लादेश सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी और वहां के एक्सपोर्टर्स द्वारा गलत तरीकों का इस्तेमाल, जैसे- गलत लेबलिंग, ड्यूटी से बचने के लिए टेक्निकल छूट का दुरुपयोग और ज्यादा सब्सिडी हासिल करने के लिए गलत घोषणाएं।

## इस हफ्ते सोने-चांदी में रही गिरावटःसोना 2907 गिरकर 95784 पर आया, चांदी 1582 कम होकर 1.05 किलो बिक रही

**24 न्यूज अपडेट**

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 21 जून को सोना 98,691 रुपए पर था, जो अब (28 जून) को 95,784 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 2,907 रुपए कम हुई है।

वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को 1,06,775 रुपए पर थी, जो अब 1,05,193 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 1,582 रुपए कम हुई है।

दिल्लीः 24 कैरेट सोने की कीमत 97,570 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450

मुंबईः 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300

कोलकाताः 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300

चेन्नईः 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300

भोपालः 24 कैरेट सोने की कीमत 97,470 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,350

## IPS पराग जैन RAW चीफ बनेः1 जुलाई से चार्ज संभालेंगे, दो साल का कार्यकाल रहेगा; एविएशन रिसर्च सेंटर के प्रमुख भी हैं

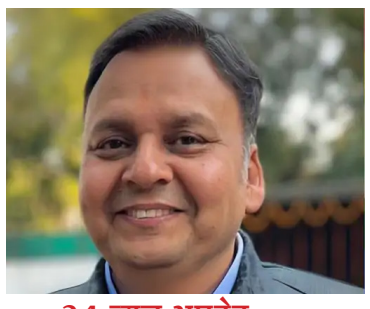

**24 न्यूज अपडेट**

भारत सरकार ने 1989 बैच के पंजाब कैडर के IPS पराग जैन को देश की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (RAW) का नया चीफ नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल दो साल का होगा। वे रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जो 30 जून को रिटायर हो रहे हैं।

पराग लंबे से RAW से जुड़े हैं। उन्होंने RAW के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल के साथ मिलकर काम किया है। वे पाकिस्तान डेस्क को संभाल रहे हैं। उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने और बालाकोट एयरस्ट्राइक जैसे अहम मिशन पर काम किया है।

पराग एविएशन रिसर्च सेंटर (ARC) के प्रमुख भी हैं, जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी शिविरों की पहचान में अहम भूमिका निभाई थी। पराग जैन एसएसपी चंडीगढ़ और डीआईजी लुधियाना के पद पर भी रहे हैं।

पंजाब में ड्यूटी के दौरान उन्होंने आतंकवाद विरोधी कई ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जैन ने कनाडा-श्रीलंका में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। कनाडा में तैनाती के दौरान उन्होंने खालिस्तान समर्थक नेटवर्क उजागर किया था।

## जैन मुनि आचार्य विद्यानंद महाराज का जन्म शताब्दी समारोहःPM मोदी ने डाक टिकट, सिक्के जारी किए; कहा- आचार्य विद्यानंद का जीवन त्याग की मिसाल

**24 न्यूज अपडेट**

पीएम मोदी शनिवार को जैन मुनि आचार्य विद्यानंद महाराज के जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने आचार्य विद्यानंद का डाक टिकट और सिक्का जारी किया। इस कार्यक्रम का आयोजन भगवान महावीर अहिंसा भारती ट्रस्ट की ओर से किया गया।

ट्रस्ट ने पीएम को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया। इस मौके पर मोदी ने कहा, "मैं खुद को इस उपाधि के योग्य नहीं मानता, लेकिन हमारी संस्कृति में यह परंपरा है कि संतों से जो भी मिलता है, हम उसे प्रसाद मानकर स्वीकार करते हैं। इस वजह से मैं इस सम्मान को प्रसाद रूप में विनम्रता से स्वीकार करता हूं और इसे मां भारती को समर्पित करता हूं।"

PM ने कहा-आज का दिन इसलिए भी खास है क्योंकि 28 जून 1987 को आचार्य विद्यानंद मुनिराज को 'आचार्य' की उपाधि दी गई थी। यह सिर्फ एक सम्मान नहीं था, बल्कि जैन संस्कृति को विचारों, संयम और करुणा से जोड़ने वाली एक पवित्र धारा भी थी। जब हम आज उनके जन्म के 100 साल मना रहे हैं, तो वह ऐतिहासिक पल फिर याद आता है।

आचार्य विद्यानंद महाराज का जन्म शताब्दी समारोह पूरे साल भर चलेगा। इस दौरान जैन समाज की ओर से देशभर में जगह-जगह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

PM ने भावुक होते हुए कहा कि आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज एक 'युग पुरुष' थे, 'युग दृष्टा' थे। मुझे सौभाग्य मिला कि मैं उन्हें निकट से देख पाया और उनके आध्यात्मिक तेज को महसूस कर सका। आज जब हम उनकी जन्म शताब्दी मना रहे हैं, तो मुझे इस मंच से भी उनका स्नेह और निकटता महसूस हो रही है।

PM ने कहा- भारत दुनिया की सबसे प्राचीन और जीवित संस्कृति है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि हमारे विचार अमर हैं, हमारी सोच अमर है, हमारा दर्शन अमर है। इस अमर दर्शन का स्रोत हमारे ऋषि, मुनि, संत और आचार्य हैं। उन्होंने ही भारत की आत्मा को दिशा दी है और सदियों तक हमारी संस्कृति को जीवित रखा है।

आचार्य विद्यानंद महाराज जैन धर्म के संत, विद्वान और समाज-सुधारक थे। उनका जन्म 22 अप्रैल 1925 को शेदबल गांव, बेलगावी (अब कर्नाटक) में हुआ था। बहुत कम उम्र में उन्होंने संन्यास ले लिया और पूरी जिंदगी संयम, साधना और सेवा में लगा दी।

वे जैन धर्म के सबसे बड़े विद्वानों में माने जाते हैं। उन्होंने 8,000 से ज्यादा जैन ग्रंथों के श्लोक कंठस्थ कर रखे थे। उन्होंने जैन दर्शन, नैतिकता और प्राकृत भाषा पर 50 से अधिक किताबें लिखीं।

आचार्य विद्यानंद जी ने देशभर में कई पुराने जैन मंदिरों के जीर्णोद्धार में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने जीवनभर नंगे पांव यात्रा की और कठोर तप, ब्रह्मचर्य और ध्यान का पालन किया।

## कटारिया के उदयपुर दौरे से पंजाब में टला कैबिनेट विस्तार

**24 न्यूज अपडेट**

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार का प्रस्तावित कैबिनेट विस्तार फिलहाल टाल दिया गया है। वजह है राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की अनुपस्थिति। वे इन दिनों उदयपुर दौरे पर हैं और 2 जुलाई तक चंडीगढ़ लौटने की संभावना नहीं है। ऐसे में नए मंत्रियों को शपथ दिलाना संभव नहीं हो पाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान और राज्यपाल कटारिया की कुछ दिन पहले बैठक में कैबिनेट विस्तार पर सहमति बनी थी। मुख्यमंत्री ने दो दिन पहले ही ऐलान किया था कि अगले 2-3 दिनों में कैबिनेट का विस्तार होगा। इसमें लुधियाना पश्चिम से विधायक संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाए जाने की पुष्टि भी की गई थी। हालांकि, अब संजीव अरोड़ा शुक्रवार सुबह विधायक पद की शपथ ले रहे हैं। उन्हें विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां शपथ दिलाएंगे। फिलहाल पंजाब कैबिनेट में 16 मंत्री हैं जबकि अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं। ऐसे में दो पद खाली हैं और संभावित नए चेहरों व कुछ विभागों में फेरबदल की अटकलें भी तेज हो गई हैं। ।।च् के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि विस्तार अब संभवतः 2 जुलाई के बाद ही किया जाएगा।

## कोलकाता गैंगरेप केस- मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टिःशरीर पर काटने, खरोंच के निशान; TMC नेता बोले- दोस्त ही दोस्त का रेप करे, तो क्या करें

**24 न्यूज अपडेट**

कोलकाता के लॉ कालेज में गैंगरेप की पीड़ित छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हो गई है। मेडिकल जांच कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (CNMC) में की गई थी। कस्बा पुलिस के अधिकारी के मुताबिक पीड़ित के साथ जबरदस्ती करने, शरीर पर काटने और नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं। उससे मारपीट की भी पुष्टि हुई है।गैंगरेप केस के तीनों आरोपियों को कोर्ट ने शुक्रवार को 1 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस ने 26 जून को 2 आरोपियों और तीसरे आरोपी को शुक्रवार सुबह गिरफ्तार किया था। वहीं लॉ कॉलेज के गार्ड पिनाकी बनर्जी (55) को भी शनिवार को अरेस्ट कर लिया गया। TMC सांसद कल्याण बनर्जी ने घटना को लेकर विवादित बयान दिया। बनर्जी ने कहा- अगर कोई दोस्त अपने दोस्त के साथ बलात्कार करता है तो क्या किया जा सकता है। घटना 25 जून को हुई थी, वारदात कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर के गार्ड रूम में हुई थी। आरोपियों में मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) शामिल हैं। मनोजीत मुख्य आरोपी है और कॉलेज का पूर्व छात्र है। जबकि जैब और प्रमित कॉलेज के छात्र हैं।

## क्रिजैक लिमिटेड का IPO 2 जुलाई से ओपन होगाः4 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे, मिनिमम 14,945 रुपए निवेश करने होंगे

**24 न्यूज अपडेट**

क्रिजैक लिमिटेड 860 करोड़ रुपए का IPO ला रही है। इसका IPO 2 जुलाई को ओपन होगा। निवेशक इस इश्यू के लिए 4 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे। 9 जुलाई को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे। इस IPO में 3.51 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे। यह IPO पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (OFS) होगा। यानी कंपनी के मौजूदा शेयरधारक (जैसे कि प्रमोटर, निवेशक या अन्य बड़े शेयरधारक) अपने पास मौजूद कंपनी के शेयरों को बेचने के लिए जनता को पेश करेंगे। इसका मतलब यह है कि कंपनी पैसा जुटाने के लिए नए शेयर जारी नहीं कर रही, बल्कि पहले से मौजूद शेयर बेचे जा रहे हैं।

## संपादकीय : अव्यवस्था के तीर्थ

तीर्थस्थल लोगों की आस्था के साथ-साथ पर्यटन, रोजगार और राजस्व अर्जन के महत्त्वपूर्ण केंद्र होते हैं। अपेक्षा की जाती है कि ऐसी जगहों पर लोगों की आवाजाही रुकने- ठहरने, खाने-पीने की समुचित और सुविधाजनक व्यवस्था हो सरकारें तीर्थस्थलों के विकास और वहां श्रद्धालुओं- सैलानियों को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं। इस दृष्टि से अनेक तीर्थस्थलों तक पहुंचने वाली सड़कों को चौड़ी करने, सुरंगों, उपरिगामी पुलों आदि के निर्माण, होटल, मोटेल आदि की सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए गए हैं। इसका असर भी नजर आता है। अनेक तीर्थस्थलों पर लोगों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। मगर इसके साथ ही इन जगहों पर कमाई की होड़ में कई अव्यवस्थाएं भी पनपी हैं। इसका नतीजा यह है कि दुर्गम जगहों, पहाड़ों के तीर्थस्थलों पर हादसे बढ़े हैं, जिनमें हर वर्ष बहुत सारे श्रद्धालुओं- सैलानियों की जान चली जाती है। इस मामले में उत्तराखंड के तीर्थस्थलों पर अव्यवस्था की वजह से होने वाले हादसों को लेकर सबसे अधिक सवाल उठते हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से, दो महीनों के भीतर, सड़क दुर्घटनाओं, हेलिकाप्टर हादसे आदि की वजह से करीब साठ लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि वह यात्रियों की हर सुविधा का ध्यान रखता है, पर सच्चाई यह है कि अव्यवस्था के कारण चारधाम यात्रा में कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। यों, सैलानियों की बढ़ती तादाद और उनकी सुविधाओं के मद्देनजर किए जा रहे निर्माण कार्यों की वजह से उत्तराखंड के पर्यावरण को पहुंच रहे भारी नुकसान को लेकर लंबे समय से आवाजे उठती रही हैं। वहां के पहाड़ भंगुर हैं, निर्माण कार्यों और अतार्किक ढंग से बन रहे भवनों, सड़कों आदि के कारण उनमें दरारें पड़ने की शिकायतें आती रहती हैं। तेज बरसात में भूस्खलन से जब-तब तबाही के मंजर उपस्थित हो जाते हैं। इसलिए इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि वहां सैलानियों और पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए, उन्हें नियंत्रित और संतुलित किया जाए, ताकि अधिक भीड़भाड़ से असुविधाओं और जोखिम की स्थिति न बने। पर प्रशासन ने जैसे वहां कारोबारियों को मनमानी की छूट दे रखी है। इसी का नतीजा है कि हेलिकाप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाले तय मानकों को ताक पर रखते हुए उड़ान भरते रहते हैं। यही हाल वहां टैक्सी आदि की सेवाएं उपलब्ध कराने वालों का है। हालांकि उत्तराखंड के तीर्थस्थल और पर्यटन स्थल इस मामले में अपवाद नहीं हैं, हर तीर्थस्थल पर कमोबेश यही हाल है। जिन जगहों पर अधिक भीड़भाड़ इकट्ठा होने का अनुमान रहता है, वहां कायदे से लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के ठोस उपाय होने चाहिए। मगर ज्यादातर धार्मिक स्थलों पर वात्रिों को उनके भरोसे छोड़ दिया जाता है। कहीं-कहीं कभी-कभार कुछ स्वयंसेवक, लोगों को संभालते देखे जाते हैं, पर भीड़ अधिक हो जाने पर वे भी अवश हो जाते हैं, जिसका नतीजा कई बार हादसों में सामने आता है। अमरनाथ यात्रा की एक व्यवस्था बनी हुई है, जिसमें श्रद्धालुओं का पंजीकरण किया जाता है, उन्हें अलग-अलग समय पर आगे बढ़ने दिया जाता है। चारधाम यात्रा में भी अगर भीड़भाड़ काफी बढ़ती देखी जा रही है, तो वहां ऐसी ही कोई व्यवस्था क्यों नहीं की जाती, जिसमें वत्रियों को चरणबद्ध तरीके से रवाना किया जाए और सुरक्षित वापस लौटाया जा सके।

## भाषा पर सियासत

देश में हर व्यक्ति को अपनी भाषा के चयन की आजादी है। जाहिर है कि कोई भी व्यक्ति उसी भाषा को तरजीह देगा, जो उसके लिए सहज होगी। हालांकि, बदलते वक्त के साथ जीवन में बढ़ती जरूरतों के हिसाब से एक से ज्यादा भाषाएं सीखने के महत्त्व को भी नकारा नहीं जा सकता। मगर, भाषा को लेकर विवाद की गुंजाइश क्यों पैदा हो रही है? किसी एक भाषा के लिए दूसरी का विरोध करना कितना तर्कसंगत है, यह सवाल फिर से गूंजने लगा है। दक्षिण के कुछ राज्य हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाते हुए इसके खिलाफ फिर मुखर होने लगे हैं। तमिलनाडु के बाद अब महाराष्ट्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के त्रिभाषा सूत्र का विरोध हो रहा है। जबकि, केंद्रीय गृहमंत्री ने साफ किया है कि हिंदी किसी भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि यह सभी भारतीय भाषाओं की सखी है और देश में किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए । दरअसल, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में राज्यों में तीन भाषाएं पढ़ाए जाने की बात कही गई है। इनमें भाषाओं का चयन राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से स्वयं छात्रों की पसंद के आधार पर तय करने की बात कही गई है। बशर्ते तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं हों। इस नीति के आधार पर महाराष्ट्र सरकार ने हाल में कक्षा एक से पांचवीं तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाए जाने का फैसला किया है। शिवसेना (उद्धव) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) इसका पुरजोर विरोध कर रही हैं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार का कहना है कि हिंदी किसी भी राज्य पर थोपी नहीं जानी चाहिए। यह बात सही है कि किसी भी राज्य, समाज या व्यक्ति को कोई एक भाषा अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है, लेकिन हिंदी के प्रति एक खास तरह के पूर्वाग्रह का क्या औचित्य हो सकता है ? अगर कोई अपनी इच्छा से किसी भाषा का चयन करना चाहे तो उसे रोकना न्यायसंगत नहीं होगा। विद्यालयों में भाषा के चयन का फैसला विद्यार्थियों की रुचि के आधार पर हो तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है।

# सेमारी की हिमातो की भागल में 75 पशुओं का उपचार, 11 पशुपालकों को मिली निःशुल्क दवाएं

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर, 28 जून। सलूंबर जिले की सेमारी पंचायत के हिमातो की भागल में शुक्रवार को पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 11 पशुपालकों के कुल 75 बीमार पशुओं का उपचार किया गया और उन्हें 1962 मोबाइल पशु एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिवानी असौदा ने बताया कि यह शिविर सरकारी पहल के तहत लगाया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में पशुओं को त्वरित और निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर पशुपालकों को पशु चिकित्सा से जुड़ी आवश्यक जानकारी भी दी गई।

### टीम ने संभाली जिम्मेदारी

शिविर में डॉ. शिवानी असौदा के साथ LSA मनसुख भगोरा, वाहन चालक दीपक सालवी और सरकारी कर्मचारी जयललिता ने पशुपालकों की समस्याएं सुनीं और बीमार पशुओं का उपचार कर दवाइयां वितरित कीं। ग्रामवासियों और पशुपालकों ने 1962 एम्बुलेंस सेवा और पशु चिकित्सा विभाग की तत्परता की सराहना करते हुए आभार जताया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित होते रहेंगे, जिससे पशुधन की बेहतर देखभाल संभव हो सके।

# बसपा का कार्यकर्ता सम्मेलन, संगठन विस्तार और पंचायती चुनाव की रणनीति पर जोर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 जून। बहुजन समाज पार्टी, जिला उदयपुर के तत्वावधान में देबारी स्थित एक निजी होटल में शनिवार को एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में पार्टी के केंद्रीय कोऑर्डिनेटर एवं प्रदेश प्रभारी नर्मदा प्रसाद अहिरवार, बसपा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष प्रेम बारूपाल सहित कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। मुख्य अतिथि नर्मदा प्रसाद अहिरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि "देश में गरीबों और वंचित समाज के वोट छीने जा रहे हैं। पूंजीवादी पार्टियां लालच देकर वोट हथियाती हैं और ईवीएम के जरिए वोट के अधिकार पर चोट की जा रही है।" उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि "अगर अपने हक और सम्मान को बचाना है तो बहुजन समाज पार्टी को मजबूत बनाना होगा और हाथी के निशान पर बटन दबाकर अपनी ताकत दिखानी होगी।"

### पंचायती राज चुनाव में सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान

प्रदेश अध्यक्ष प्रेम बारूपाल ने कहा कि "बहुजन समाज पार्टी आगामी पंचायती राज चुनावों में राजस्थान की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का काम किया जाएगा।"विशेष अतिथि एडवोकेट जगदीश चंद्र पाल और एडवोकेट हरिश्चंद्र सिंह गॉड ने भी सामाजिक न्याय, दलित अधिकार और संगठन के विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शिवकुमार गौतम ने की।

### सम्मेलन में जुटे सैकड़ों कार्यकर्ता

सम्मेलन में जिला प्रभारी सी.पी. खटीक, सुरेश कुमार मेघवाल, वरिष्ठ नेता जगदीश बाबरिया, होशियार सिंह, मांगीलाल सेन, चंपालाल गरासिया, खेमराज कटारा, निंबालाल भील, दलपत गरासिया, हीरालाल सालवी, सुरेश गरासिया, दिलीप रैगर, दिनेश रायकवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी वक्ताओं ने संगठन को गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक ले जाने और बहुजन समाज पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही सामाजिक न्याय और संविधान रक्षा के लिए एकजुट होने का संदेश दिया।

# तहसीलदार पर हमला व लूट के प्रयास में 5 आरोपी गिरफ्तार, 4 नाबालिग डिटेन

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले के चितरी थाना पुलिस ने तहसीलदार सुंदरलाल मीणा की कार पर पथराव और लूटपाट की कोशिश करने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं 4 नाबालिगों को डिटेन कर बाल संप्रेषण गृह भेजा गया है। घटना 25 जून की रात की है। तहसीलदार सुंदरलाल मीणा अपने परिवार के साथ सागवाड़ा से लौट रहे थे। इसी दौरान राजवेड़ा घाटी के पास तीन बाइक पर सवार 9 युवकों ने उनकी कार का पीछा किया। नादिया के पास आरोपियों ने कार को ओवरटेक कर रोका और तहसीलदार के साथ गाली-गलौच व हाथापाई की। उन्होंने तहसीलदार की शर्ट की जेब से रुपए और मोबाइल छीनने का प्रयास भी किया। किसी तरह तहसीलदार मौके से निकले, लेकिन आरोपियों ने कार पर पत्थर फेंके, जिससे वाहन के कांच टूट गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राजवेड़ा निवासी राहुल पारगी (21), रामसौर निवासी अजेश ताबियाड़ (22), मोदरा छोटा निवासी प्रकाशचंद्र कटारा (18), राकेश डामोर (21) और मोरड़ी निवासी विपिन डामोर (20) को गिरफ्तार किया। घटना में इस्तेमाल की गई तीनों बाइक भी जब्त कर ली गई हैं। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है, जबकि चार नाबालिगों को बाल संप्रेषण गृह डूंगरपुर भेजा गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि सभी आरोपियों का इरादा लूटपाट का था।

# डूंगरपुर-गुजरात सीमा पर हाईटेक निगरानीः हिम्मतपुर और रतनपुर बॉर्डर पर लगाए गए 360 डिग्री हाई डेफिनिशन कैमरे

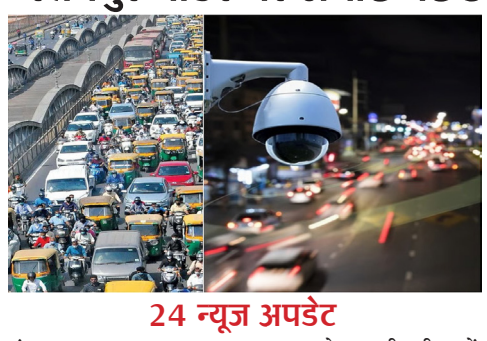

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर, 28 जून। गुजरात सरकार ने अपनी सीमाओं की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करते हुए राजस्थान के डूंगरपुर जिले से सटे हिम्मतपुर, रतनपुर और मेवाड़ा जैसे संवेदनशील बॉर्डर प्वाइंट्स पर हाईटेक निगरानी व्यवस्था स्थापित कर दी है। विश्वास परियोजना के तहत गुजरात सीमा से लगते राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, दमन दीव और दादरा नगर हवेली जैसे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 79 एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स पर कुल 411 हाई डेफिनिशन कैमरे लगाए गए हैं। डूंगरपुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र हिम्मतपुर बॉर्डर को हाईवे के रतनपुर बॉर्डर के बाद सबसे अधिक संवेदनशील माना गया है। गुजरात के ईयरी थाना, जिला अस्वल्ली के पीआई जे.के. वहूनिया के अनुसार, जिले से सटे लगभग सभी स्थानों पर कैमरे इंस्टॉल किए जा चुके हैं और अब केवल बीएसएनएल से नेटवर्क कनेक्टिविटी का इंतजार है। जैसे ही यह कनेक्शन मिलेगा, 360 डिग्री एंगल पर घूमने वाले हाई फ्रीक्वेंसी कैमरे सक्रिय हो जाएंगे जो गाड़ियों की नंबर प्लेट तक की पहचान करने में सक्षम हैं। इन कैमरों की निगरानी सीधे गुजरात पुलिस के जिला मुख्यालय स्थित कमांड सेंटर से की जाएगी, जिससे हर गतिविधि पर सतत निगरानी संभव होगी। चुनाव जैसे संवेदनशील समय में यह व्यवस्था न केवल गुजरात पुलिस बल्कि राजस्थान के सीमावर्ती थानों के लिए भी अत्यंत उपयोगी साबित होगी। गौरतलब है कि डूंगरपुर जिले के हिम्मतपुर बॉर्डर की निगरानी रामसागड़ा थाने के अंतर्गत आती है जबक रतनपुर बॉर्डर बिलीवाटा थाने के अधीन है। दोनों स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इस पूरी प्रणाली का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में अपराधों की रोकथाम, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और सीमा पार से हो रहे अवैध आवागमन पर अंकुश लगाना है। सीमलवाड़ा से लगते सभी एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स को भी कवर कर लिया गया है।

# उदयपुर सर्राफा बाजार : सोना हल्का सस्ता, चांदी में मामूली तेजी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 जून। उदयपुर सर्राफा बाजार में बीते तीन दिनों के भीतर सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सर्राफा एसोसिएशन, उदयपुर के अनुसार 26 जून को सोना स्टैंडर्ड (999) का भाव 98,600 प्रति 10 ग्राम दर्ज हुआ था, जो 27 जून को गिरकर 97,800 और 28 जून को 97,700 प्रति 10 ग्राम रहा। इसी प्रकार सोना जेवराती (23 कैरेट) का भाव भी 26 जून को 94,655 से घटकर 28 जून तक 93,790 तक आ गया। 22 कैरेट सोना भी 90,710 से घटकर 89,885 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी की कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव दर्ज हुआ। 26 जून को चांदी टंच (प्रति किलोग्राम) 1,05,750 पर रही थी, जो 27 जून को 1,04,250 तक गिर गई। हालांकि 28 जून को यह थोड़ा संभलते हुए 1,04,700 पर आ गई। इसी तरह चांदी चौरसा का भाव 26 जून को 1,05,000, 27 जून को 1,03,500 और 28 जून को 1,04,000 प्रति किलोग्राम रहा। स्थानीय सर्राफा कारोबारियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर-रुपया विनिमय दर में हलचल का सीधा असर स्थानीय बाजार पर देखा गया। त्योहारी सीजन से पहले दाम में इस गिरावट के चलते ज्वेलरी खरीदारी की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। जीएसटी समेत ये भाव सर्राफा एसोसिएशन, उदयपुर द्वारा प्रतिदिन जारी किए जाते हैं।

# निंबाहेड़ा में हत्या के आरोपियों को न्यायालय ने किया बरी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, निंबाहेड़ा। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रमांक-2 की पीठासीन अधिकारी कुसुम सूत्रकार ने बुधवार को हत्या के एक प्रकरण में दो आरोपियों को बरी कर दिया। प्रकरणानुसार, 21 सितम्बर 2023 की रात करीब 9 बजे चौबे जी का कंथारिया, थाना भदेसर निवासी कंकू बाई ने ट्रॉमा वार्ड अस्पताल में पुलिस को बयान दिया था कि हंसराज पुत्र रामलाल भांबी और रतनलाल पुत्र गोटूलाल भांबी ने उसके साथ मारपीट की। इलाज के दौरान कंकू बाई की मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले में हत्या की धारा 302 जोड़ी और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया। ट्रायल के दौरान अभियोजन ने गवाह व साक्ष्य प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों की बहस के बाद न्यायालय ने साक्ष्यों के अभाव में हंसराज और रतनलाल को हत्या के आरोप से बरी कर दिया। मामले में आरोपी रतनलाल की ओर से सैयद साजिद अली एडवोकेट और हंसराज की ओर से संजय बाबेल एडवोकेट ने पैरवी की।

# भीलवाड़ा में कार से डोडा-चूरा बरामद, आरोपी गिरफ्तारःपुलिस को देख भागा, पीछा कर दबोचा; 3 कट्टों में मिला 78 किलो खेप

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा में कार से अवैध डोडा-चूरा पकड़ा गया। आरोपी तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामला जिले के मांडल थाना इलाके के गुढ़ा चौराहा का है। पुलिस को देख आरोपी भाग निकला, जिसका पीछा कर उसे दबोच लिया गया।

मांडल थाना प्रभारी विक्रम सेवावत ने बताया-थाने के एएसआई कैलाश चंद्र को गुड़ा चौराहे के पास एक एक्सीडेंट होने की सूचना मिली थी। यह भी बताया गया कि जिस कार का एक्सीडेंट हुआ है, उसमें डोडा चूरा भरा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

जिस कार को लेकर सूचना मिली थी वह भीलवाड़ा-अजमेर रोड पर खड़ी नजर आई। एक युवक कार का टायर बदल रहा था। पुलिस को देख वह भाग निकला। टीम ने उसका पीछा किया और डिटेन कर लिया। कार की तलाशी ली तो इसमें तीन कट्टों में डोडा चूरा भरा पाया गया।

जब्त माल का वजन कराया तो यह 78 किलो 106 ग्राम निकला। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर खेप और कार को जब्त कर लिया। पुलिस गिरफ्तार आरोपी राजपाल (26 ) पुत्र गोविंद जाट निवासी कुचामन सिटी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस टीम में पुर थाना प्रभारी विक्रम सेवावत, एएसआई कैलाश चंद्र, कॉन्स्टेबल सांवर, सत्यवीर, रमेश और श्रवण शामिल रहे।

# ACB का ASP जगराम पुलिस से भी वसूली करता था:जयपुर में 50 लाख रुपए के साथ पकड़ा गया, घर में महंगी शराब-प्रॉपर्टी के डॉक्युमेंट मिले

24 न्यूज अपडेट

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने एक महीने में दूसरी बार अपने ही एक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) को रिश्वतखोरी-वसूली के आरोप में पकड़ा है। शुक्रवार (27 जून) को ASP जगराम मीणा के पास से करीब 50 लाख रुपए मिले। इन पैसों को गिनने के लिए नोट गिनने की मशीन मंगवानी पड़ी। मीणा की कार से 9.35 लाख रुपए और घर से 39.50 लाख रुपए बरामद हुए।

इस घटनाक्रम के बाद डीजी एसीबी डॉक्टर रवि प्रकाश मेहरड़ा ने जगराम मीणा को कार्य मुक्त कर दिया है। जांच में सामने आया है कि मीणा पुलिस, खनन और परिवहन विभाग के कर्मचारी-अधिकारियों से भी वसूली करता था। वह कुछ दिन पहले झालावाड़ से हटाया गया था, इसके बाद भी वह 'बंधी' (वसूली की रकम) लेता था।

ACB सूत्रों के मुताबिक महंगी शराब का शौकीन है। उसने घर पर ही मिनी बार बना रखा था। रिश्वतखोर ASP दो महीने से विजिलेंस विंग के रडार पर था। वह पहले भी ट्रैप होते-होते बचा है। इससे पहले 19 मई को एसीबी एएसपी सुरेंद्र शर्मा को जयपुर से पकड़ा गया था।

## घर से 39.50 लाख रुपए कैश, करोड़ों की प्रॉपर्टी के डॉक्युमेंट मिले

डीजी एसीबी रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया- एसीबी के एएसपी जगराम मीणा के घर से 39.50 लाख रुपए कैश, करोड़ों रुपए बाजार मूल्य की प्रॉपर्टी के डॉक्युमेंट मिले हैं। आरोपी की कार से 9.35 लाख रुपए मिले। उसके घर से महंगी और विदेशी ब्रांड की शराब की 85 बोतल भी बरामद हुई। इस पर थाना रामनगरिया को इस की सूचना दी गई और आबकारी एक्ट में मामला दर्ज करने के लिए कहा गया है।

डीजी एसीबी ने बताया- एएसपी जगराम मीणा का काम करने का तरीका सही नहीं था। जगराम मीणा की छवि आमजन और राज्य सरकार के कर्मचारियों में सही नहीं है। जगराम मीणा ने झालावाड़ में पद पर जाने के बाद सरकारी अफसरों को सुविधा शुल्क और भ्रष्टाचार करने की छूट दी हुई थी। वह अधिकारियों-कर्मचारियों को डरा-धमका कर मासिक बंधी और सुविधा शुल्क लेता था।

## रिश्वत की रकम लेकर हर शुक्रवार को जयपुर आता था एएसपी

एसीबी डीजी ने बताया- जगराम मीणा हर शुक्रवार को सरकारी ऑफिसों से वसूली गई मासिक बंधी और सुविधा शुल्क लेकर कार से जयपुर आता था। मीणा एक बार पहले भी रिश्वत लेकर जयपुर आ रहा था, लेकिन एसीबी के जाल में फंस नहीं पाया। एएसपी सुरेन्द्र शर्मा के खिलाफ हुई कार्रवाई के बाद से जगराम मीणा अलर्ट हो गया था।

## कार में मिले रिश्वत के 9.35 लाख रुपए

डीजी एसीबी ने बताया- आरोपी 27 जून को सरकारी ऑफिस के एक अधिकारी से मोटी राशि लेकर निकला था। इसकी सूचना एसीबी को मिल गई थी। शिवदासपुरा टोल पर सर्च के दौरान आरोपी की कार से एक प्लास्टिक के फोल्डर में अखबार में लिपटी हुई 500-500 रुपए की 10 गड्डियां (कुल 5 लाख रुपए), एक पीले रंग के लिफाफे में 500-500 रुपए की 4 गड्डियां (कुल 2 लाख रुपए), 2 अलग-अलग लिफाफों में 1-1 लाख रुपए (कुल 2 लाख रुपए) और 1 लाल रंग के लेदर बैग में रखे पीले रंग का लिफाफे में 500-500 रुपए के 70 नोट (कुल 35 हजार रुपए) मिले।

ये कैश कहां से आया? इसका वो ठीक से जवाब नहीं दे सका। इसके बाद एसीबी ने एएसपी जगराम मीणा के मकान नंबर 31 चकरोल जेडीए कॉलोनी, एसकेआईटी के पीछे जगतपुरा (जयपुर) में भी तलाशी ली। इस दौरान वहां से 39 लाख 50 हजार रुपए कैश, जमीनों के कागजात और 85 बोतल अंग्रेजी शराब मिली।

## 2 दिन पहले ही झालावाड़ से ट्रांसफर हुआ था

जानकारी के अनुसार जगराम मीणा भीलवाड़ा की ACB चौकी पर पोस्टेड था। उसका दो दिन पहले ही झालावाड़ से ट्रांसफर हुआ था। आरोपी परिवहन, खनन, आबकारी और पुलिस डिपार्टमेंट के अधिकारी-कर्मचारियों से वसूली कर रहा था।

## पहले अधिकारियों को 2 बार दिया था चकमा

आरोपी जगराम मीणा पहले भी दो बार ट्रैप होते-होते हुए बच गया था। एक बार एएसपी सुरेन्द्र पर कार्रवाई की तो जगराम झालावाड़ में ही पैसे छोड़कर जयपुर आ गया। इसके बाद मामला ठंडा पड़ा तो अगली बार पैसे लेकर आया। इस बार उसने कार बदल ली थी। इसलिए पकड़ में नहीं आया।

# जोधपुर मंडल ने विकसित किया अत्याधुनिक स्वदेशी सॉफ्टवेयर, ट्रेन गति विश्लेषण हुआ और भी आसान

**ड्राइविंग पैटर्न, ब्रेकिंग तकनीक व गति प्रतिबंधों की रियल टाइम निगरानी संभव**

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। भारतीय रेलवे में तकनीकी नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने पूरी तरह स्वदेशी रूप से एक उन्नत वेब-आधारित स्पीडोमीटर विश्लेषण सॉफ्टवेयर का सफल विकास किया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर ट्रेन संचालन के दौरान उत्पन्न स्पीडोमीटर डेटा का विश्लेषण कर लोको पायलट की ड्राइविंग तकनीक, ब्रेकिंग पैटर्न और गति प्रतिबंधों के पालन की वास्तविक समय में निगरानी करने में सक्षम है। जोगेन्द्र मीणा के नेतृत्व में मंडल स्तर पर विकसित यह नवाचार जोधपुर मंडल के यांत्रिक विभाग के वरिष्ठ इंजीनियर जोगेन्द्र मीणा के नेतृत्व में पूरी तरह इन-हाउस तैयार किया गया है। इस सॉफ्टवेयर की प्रस्तुति 21 जून को मुख्यालय जयपुर में आयोजित 65वीं इलेक्ट्रिकल स्टैंडर्ड्स कमेटी (ESC) की बैठक में की गई, जहां रेलवे बोर्ड के सदस्य (कर्षण एवं रोलिंग स्टॉक) बी.एम. अग्रवाल, महाप्रबंधक अमिताभ सहित भारतीय रेलवे के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## मैन्युअल विश्लेषण की जरूरत खत्म

शशि किरण ने बताया कि पहले जहां स्पीडोमीटर डेटा का विश्लेषण कई घंटे और भारी मानव संसाधन की मांग करता था, अब यह काम यह सॉफ्टवेयर कुछ ही मिनटों में सटीक, विस्तृत और ग्राफिकल रिपोर्ट के रूप में प्रदान करता है। इससे मुख्य लोको निरीक्षक (CLI) को मैन्युअल विश्लेषण की जरूरत नहीं रह गई है।

## परिचालन दक्षता और सुरक्षा को मिलेगा बल

इस नवाचार से रेलवे की परिचालन दक्षता, सुरक्षा और निगरानी तंत्र को सशक्त करने में मदद मिलेगी। ड्राइविंग पैटर्न, ब्रेकिंग तकनीक और गति प्रतिबंधों की सटीक मॉनिटरिंग से संभावित दुर्घटनाओं और तकनीकी खामियों पर तुरंत ध्यान दिया जा सकेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे का यह स्वदेशी सॉफ्टवेयर जोधपुर मंडल की तकनीकी दक्षता का प्रतीक ही नहीं, बल्कि देशभर के अन्य रेलवे मंडलों के लिए भी एक प्रेरणास्पद मॉडल बन चुका है। रेलवे बोर्ड और वरिष्ठ अधिकारियों ने इस नवाचार की भारी सराहना की है।

# नगरीय विकास कर एवं गृहकर में राज्य सरकार ने फिर दी भारी छूट, छूट का लाभ लेवे शहरवासी - आयुक्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निगम द्वारा लिए जाने वाले गृहकर एवं नगरीय विकास कर में राज्य सरकार द्वारा फिर से भारी छूट प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने 3 माह पश्चात फिर यह मौका दिया है जिसका लाभ शहरवासी अपनी बकाया राशि जमा करवाकर ले सकते हैं। नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बताया कि 18 जून, 2025 को स्वायत शासन विभाग राजस्थान सरकार जयपुर द्वारा अधिसूचना जारी की गई है जिसमें राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 107 (4) के अंतर्गत ग्रह कर एवं नगरीय विकास कर एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं पेनल्टी में माफी का प्रावधान रखा गया है। ऐसे शहरवासी जिन्होंने अपना गृहकर अभी तक जमा नहीं करवाया है उन्हें संपूर्ण बकाया गृह कर आवासीय अथवा व्यवसायिक भूखंड दोनों का एकमुश्त जमा करने पर मूल गृहकर की राशि पर 50% की छूट एवं शास्ती पर शत प्रतिशत छूट सरकार द्वारा प्रदान की गई है। वही नगरी विकास कर के अंतर्गत वर्ष 2023-24 तक एकमुश्त नगरीय विकास कर की राशि जमा कराने पर लगाए गए ब्याज व शास्ती पर शत प्रतिशत छूट दी गई है। जिन प्रकरणों में 13 वर्ष से पूर्व अर्थात वर्ष 2011- 12 से पूर्व का नगरीय विकास कर बकाया है उन प्रकरणों में भी एक मुश्त राशि जमा कराने पर उस अवधि के नगरीय विकास कर में ब्याज पेनल्टी की छूट के साथ-साथ मूल बकाया में भी 50% की छूट राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई है।

## यह संपत्ति मालिक है नगरीय विकास कर दायरे में

उदयपुर शहर में 2700 स्क्वायर फीट या इससे अधिक के आवासीय भूखंड या भवन एवं 900 स्क्वायर फीट या इससे अधिक का व्यवसायिक भूखंड या भवन दोनों नगरी विकास कर की श्रेणी में सम्मिलित किए जाते हैं। अतः यदि कोई भी शहर वासी इस दायरे में सम्मिलित है एवं अभी तक नगर निगम द्वारा आपसे संपर्क नहीं किया गया है फिर भी आप अपना कर्तव्य समझकर निगम में पहुंच अपना यू डी टैक्स जमा करवा कर राज्य सरकार द्वारा दी गई छूट का लाभ लेवे। क्योंकि नगरीय विकास कर नगर निगम द्वारा हर हाल में वसूल किया जाएगा।

## छूट का लाभ ले शहरवासी - आयुक्त

गृह कर एवं नगरीय विकास कर में राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही विशेष छूट को लेकर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने शहरवासियों से अपील की है। आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 3 माह पश्चात पुनः और केवल 30 सितंबर तक यह विशेष छूट प्रदान की गई है जिसका लाभ सभी शहरवासियों लेवे। ऐसे शहरवासी जो कर देने की श्रेणी में आते है और उनका कर अभी तक बकाया है उन शहरवासियों को इस छूट का लाभ लेना चाहिए। आयुक्त ने स्पष्ट आगाह भी किया है कि सरकार द्वारा हर हाल में यह पैसा वसूल किया जाएगा, अच्छा है कि छूट का लाभ लेते हुए शहरवासी अपना बकाया गृह कर एवं नगरीय विकास कर जमा करवा दें। समस्या होने पर राजस्व अधिकारी से करे संपर्क। नगर निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि नगरीय विकास कर की गणना में यदि किसी शहर वासी को कोई भी समस्या या शंका है तो वह निगम की राजस्व शाखा में आकर राजस्व अधिकारी नितेश भटनागर से संपर्क करें, राजस्व अधिकारी द्वारा सभी प्रकार की शंका या समस्या का समाधान किया जाएगा।

# बीजेपी प्रभारी बोले-हम मुख्यमंत्री 5 साल के लिए बनाते हैं:सीएम हटाने की परंपरा कांग्रेस की, गहलोत को आज भी सपने में षड्यंत्र नजर आते हैं

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान बीजेपी के प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा- हम 5 साल के लिए मुख्यमंत्री बनाते हैं। बीच में मुख्यमंत्री हटाने की परंपरा कांग्रेस की है। अशोक गहलोत तो खुद 5 साल अपनी कुर्सी बचाने में लगे रहे। उन्हें आज भी सपने में षड्यंत्र ही नजर आते हैं। राधा मोहन दास शनिवार को जयपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करने से पहले मीडिया से बातचीत के कर रहे थे।

राजस्थान बीजेपी के प्रभारी राधा मोहन दास ने कहा- अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री पद के दौरान स्थिरता नहीं मिली। गहलोत के खिलाफ उनकी ही पार्टी के नेता, विशेष रूप से सचिन पायलट, षड्यंत्र करते रहे। बेचारे गहलोत कभी पांच साल चैन से कुर्सी पर बैठ भी नहीं पाए। सचिन पायलट ने उनकी कुर्सी पर इतने कांटे लगाए कि वह आराम से नहीं बैठ सके।

अग्रवाल ने कहा- गहलोत को आज भी सपने में षड्यंत्र ही नजर आते हैं, क्योंकि कांग्रेस में षड्यंत्र रचने की परंपरा रही है। उन्होंने कहा- जो आदमी खुद षड्यंत्रों के बीच राजनीति करता है, वही हर जगह षड्यंत्र देखता है। हमारे संगठन में न तो ऐसी राजनीति होती है, न हम उसे स्वीकार करते हैं।

कांग्रेस सत्ता हथियाने के षड्यंत्रों के लिए जानी जाती है

उन्होंने कांग्रेस का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि यह पार्टी सत्ता हथियाने के षड्यंत्रों के लिए जानी जाती रही है। सरदार पटेल को 15 में से 12 वोट मिले थे। प्रधानमंत्री की कुर्सी नेहरू ने छीन ली। श्यामा प्रसाद मुखर्जी दो विधान, दो संविधान के खिलाफ चिल्लाते रहे, लेकिन उन्हें जेल में मरवा दिया गया, ये सब कांग्रेस की देन है।

## राठौड़ बोले- अच्छा काम कर रहे भजनलाल

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा- कांग्रेस के जो संस्कार हैं, वे भाजपा में नहीं आए हैं। हम अपने ही मुख्यमंत्री के खिलाफ षड्यंत्र नहीं करते। ऐसा काम सिर्फ कांग्रेस करती है। यह पार्टी हमेशा अपने ही नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र रचती रही है। मुख्यमंत्री को हटाओ, किसी और को बढ़ाओ, फिर उसी के खिलाफ षड्यंत्र रचो, यह कांग्रेस का चाल-चरित्र है।

राठौड़ ने कहा- बीजेपी एक अनुशासित और सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पिछले डेढ़ साल में राज्य में बेहतरीन काम हुआ है। आने वाले साढ़े तीन साल में राजस्थान और तेजी से आगे बढ़ेगा।

# राजस्थान में मादक पदार्थों पर पुलिस का करारा प्रहार: 10,000 का इनामी तस्कर भीलवाड़ा से दबोचा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 28 जून। राजस्थान में संगठित अपराध और मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चल रहे एक बड़े अभियान में स्टेट क्राइम ब्रांच की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्री दिनेश एमएन के निर्देशन में काम करते हुए टीम ने एक ऐसे कुख्यात तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिस पर नागौर पुलिस ने 10,000 का इनाम घोषित कर रखा था।

## भीलवाड़ा से हुई इनामी तस्कर की गिरफ्तारी

एडीजीपी दिनेश एमएन ने बताया कि यह कार्रवाई डीआईजी योगेश यादव के कुशल पर्यवेक्षण और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के समन्वय में इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में की गई। टीम के कांस्टेबल गोपाल धाबाई और विजय सिंह को खुफिया जानकारी मिली थी कि नागौर जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत कई मामलों में वांछित बदमाश भीलवाड़ा में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही एजीटीएफ टीम ने तत्काल एक्शन लिया और सदर थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर इनामी अभियुक्त नारायण लाल जाट पुत्र बद्री लाल (33) निवासी बन का खेड़ा, थाना बडलियास, जिला भीलवाड़ा को दबोच लिया। उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए नागौर पुलिस को सौंपा जा रहा है।

## करोड़ों के डोडा पोस्त तस्करी का मास्टरमाइंड

नारायण लाल जाट नागौर पुलिस द्वारा दर्ज 3 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के अफीम डोडा पोस्त जब्ती के दो बड़े मामलों में वांछित था:

5 जुलाई 2024 का मामला: नागौर पुलिस ने गोगेलाव में लगभग 1.6 टन (1655.200 किलोग्राम) अवैध डोडा पोस्त से लदा एक ट्रक जब्त किया था। इस मामले में ट्रक चालक राजू पुत्र पप्पू मंसूरी को गिरफ्तार किया गया था, जिसकी पूछताछ में नारायण लाल का नाम सामने आया।

9 नवंबर 2024 का मामला: खाटू बड़ी थाना पुलिस ने डारोली चौराहा पर 367 किलोग्राम 470 ग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त किया था, जो एक इनोवा क्रिस्टा वाहन में ले जाया जा रहा था। इस मामले में गिरफ्तार अभियुक्तों लालाराम और श्यामलाल ने खुलासा किया था कि उन्होंने यह डोडा पोस्त नारायण लाल से खरीदा था। एजीटीएफ टीम को मिली शाबाशी एडीजीपी दिनेश एम.एन. ने इस शानदार सफलता के लिए इंस्पेक्टर राम सिंह और उनकी पूरी एजीटीएफ टीम की प्रशंसा की। उन्होंने कांस्टेबल गोपाल धाबाई और विजय सिंह की विशेष भूमिका और सदस्य एसआई प्रताप सिंह, एएसआई बनवारी लाल शर्मा, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, महावीर सिंह शेखावत, हेमंत शर्मा, कांस्टेबल जितेंद्र कुमार, गंगाराम और चालक दिनेश शर्मा की सराहना की।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी झारखंड से भारी मात्रा में डोडा पोस्त की तस्करी कर नागौर जिले और आसपास के क्षेत्र में सप्लाई किया करता था। फिलहाल पुलिस की टीम आरोपी से गहनता से पूछताछ कर इनके नेटवर्क और अन्य अपराधो के बारे में खंगाल रही है। यह गिरफ्तारी राजस्थान में मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क पर एक और बड़ा प्रहार है, जो एजीटीएफ की संगठित अपराधों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दर्शाता है।

# बीएड नहीं, फिर भी साढ़े 53 हजार ने भरा फॉर्म:सीनियर टीचर भर्ती के आवेदन में AI से पकड़ा फर्जीवाड़ा, 1673 पेज की लिस्ट अपलोड की

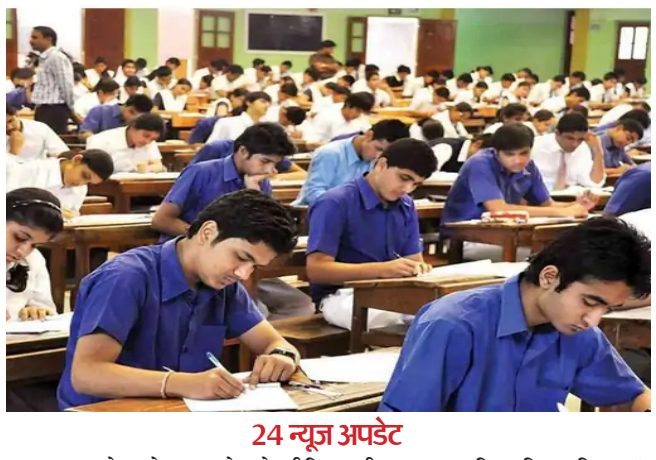

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान लोक सेवा आयोग ने सीनियर टीचर (माध्यमिक शिक्षा विभाग) एग्जाम- 2024 के आवेदनों में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। इनमें कई कैंडिडेट ऐसे निकले जो बीएड नहीं थे। इसके बाद भी इन्होंने आवेदन किया। ऐसे कैंडिडेट की संख्या करीब 50 हजार से ज्यादा है।

इस एग्जाम के लिए आवेदनों की जब आईटी डिपार्टमेंट की ओर से रेंडम जांच की गई। इसमें एआई तकनीक का भी उपयोग लिया गया तो इन लोगों की लिस्ट सामने आई। इसे लेकर अपात्र अभ्यर्थियों की 1673 पेज की सूची आयोग की वेबसाइट पर अपलोड की है।

गौरतलब है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) की ओर से 11 दिसम्बर 2024 को सीनियर टीचर के 8 सब्जेक्ट के 2129 पदों की वैकेंसी निकाली गई है। इसके लिए 26 दिसम्बर से 24 जनवरी तक आवेदन मांगे गए थे। इनमें गणित, हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत, पंजाबी और उर्दू शामिल हैं।

11 लाख 87 हजार आवेदन आए थे, सबसे ज्यादा अपात्र आवेदक बांसवाड़ा जिले के

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि परीक्षा के लिए कुल 11 लाख 87 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। आयोग द्वारा की गई ऑनलाइन आवेदनों की जांच में यह सामने आया है कि 53 हजार 501 अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न विषयों के पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता नहीं होने के बावजूद भी आवेदन कर दिया है। ऐसे सभी अभ्यर्थियों को आगाह किया गया है कि वह अपना ऑनलाइन आवेदन 30 जून से 6 जुलाई 2025 तक आवश्यक रूप से विड्रॉ कर लेवें।

बता दें कि भर्ती 2129 पदों के लिए निकाली गई और आठ विषयों की परीक्षाओं का आयोजन 7 से 12 सितंबर 2025 तक करवाया जाना प्रस्तावित है। ऐसे अपात्र आवेदकों में सर्वाधिक 2876 आवेदक बांसवाड़ा जिले के है।

सचिव बोले- कार्रवाई की जाएगी

सचिव मेहता ने बताया- निर्धारित अवधि के बाद बिना वांछित योग्यता के ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गलत सूचना के आधार पर आवेदन करना और क्वालिफिकेशन नहीं होने के बाद भी उसे विड्रॉ नहीं करना अपराध है। ऐसे अभ्यर्थी यदि काउंसलिंग/पात्रता जांच व साक्षात्कार के दौरान अपात्र पाए जाएंगे तो उन्हें आगामी परीक्षाओं से डीबार भी किया जाएगा।

# कन्हैयालाल हत्याकांड को तीन साल, अब भी नहीं मिला न्यायः अशोक गहलोत ने केंद्र और भाजपा पर साधा निशाना

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में हुए बहुचर्चित कन्हैयालाल साहू हत्याकांड को तीन साल पूरे हो गए हैं, लेकिन अब तक दोषियों को सजा नहीं मिलने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार और भाजपा को आड़े हाथों लिया है। गहलोत ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा — "यह बेहद दुखद है कि तीन साल बीतने के बाद भी कन्हैयालाल साहू और उनके परिवार को न्याय नहीं मिल पाया। भाजपा ने इस मामले का केवल राजनीतिक लाभ उठाया, लेकिन न्याय के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किया।"

**"पूरा क्राइम और कबूलनामा वीडियो में, फिर भी न्याय नहीं"**

गहलोत ने कहा कि यह मामला तो पूरी तरह स्पष्ट था, जिसमें हत्या से लेकर आरोपियों का कबूलनामा तक वीडियो में रिकॉर्ड है। फिर भी तीन साल बाद न्याय लंबित है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि इस हत्याकांड का इस्तेमाल जनता में भ्रम फैलाकर वोट लेने के लिए किया गया, लेकिन न्याय प्रक्रिया को तेज करने की पहल नहीं की गई।

**"चार घंटे में गिरफ्तारी, उसी रात केस NIA को सौंपा गया"**

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि उनकी सरकार ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए केवल चार घंटे में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन उसी रात केंद्र सरकार के निर्देश पर केस NIA (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) को सौंप दिया गया।

**"फास्ट ट्रैक कोर्ट क्यों नहीं बनाई?"**

गहलोत ने सवाल उठाया कि तीन साल गुजरने के बाद भी 166 में से केवल 6 गवाहों के बयान ही दर्ज हो सके हैं। कोई विशेष अदालत या फास्ट ट्रैक कोर्ट तक नहीं बनाई गई। वर्तमान में यह मामला सीबीआई कोर्ट के अतिरिक्त प्रभार में चल रहा है।

**"अगर NIA को केस नहीं दिया होता तो अब तक हो जाती सजा"**

उन्होंने कहा — "यदि यह केस राजस्थान पुलिस के पास ही रहता तो अब तक दोषियों को सजा मिल चुकी होती। अब इस हत्याकांड पर फिल्म आ रही है, और सब जानते हैं कि इसका राजनीतिक लाभ किसे मिलने वाला है। लेकिन असल मुद्दा तो यह है कि अब तक इंसाफ नहीं मिला।"

# साध्वी जयदर्शिता श्रीजी ससंघ का आयड़ तीर्थ में हुआ चातुर्मासिक मंगल प्रवेश, सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने गऊली बनाकर की अगवानी, धर्मसभा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 जून। तपागच्छ की उद्गम स्थली आयड़ जैन मंदिर में शनिवार को श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के तत्वावधान में साध्वी जयदर्शिता श्रीजी ससंघ का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश भव्य शोभायात्रा के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने गऊली बनाकर साध्वी संघ की अगवानी की। महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि साध्वी जयदर्शिता श्रीजी, जिनरसा श्रीजी, जिनदर्शिता श्रीजी व जिनमुद्रा श्रीजी महाराज आदि ठाणा शनिवार सुबह 7 बजे धूलकोट मंदिर से गाजे-बाजे के साथ तपागच्छ की पावन स्थली आयड़ तीर्थ के लिए मंगल प्रवेश यात्रा के रूप में रवाना हुए। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह स्वागत द्वार बनाकर साध्वी संघ का स्वागत किया। जयकारों से गूंजते वातावरण में आगे बैंड धुन बजाता चला, पीछे जैन संघ का बैंड जयघोष करता हुआ और फिर साध्वी संघ व सैकड़ों श्रद्धालु हाथों में ध्वज व जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। प्रवेश के उपरांत सामैया समूह द्वारा चैत्यवंदन हुआ तथा उपाश्रय में स्वागत गीत व प्रेरक प्रवचन का आयोजन किया गया। आत्म वल्लभ सभागार में आयोजित धर्मसभा में साध्वी जयदर्शिता श्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान की आज्ञा का पालन करना ही श्रावक-श्राविकाओं का सबसे बड़ा कर्तव्य है। जैसे शरीर में प्राण न हो तो वह कलेवर मात्र है, वैसे ही धर्म क्रिया में भगवान की आज्ञा का पालन न हो तो वह निष्प्राण बन जाती है। उन्होंने कहा कि विद्या प्राप्त करने के लिए प्रमाद (अलस्य व लापरवाही) का त्याग करना होगा। बिना प्रमाद छोड़े न आध्यात्मिक और न ही भौतिक विद्या का अर्जन संभव है। साध्वी श्रीजी ने जिनशासन की आराधना व साधना की शास्त्रोक्त विधि समझाते हुए बताया कि आराधना में आसन और मुद्रा का विशेष महत्व है। बिना आसन के मुद्रा भी प्रभावहीन हो जाती है। उपाध्यक्ष भोपाल सिंह परमार, कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया, राजेन्द्र जवेरिया, अशोक जैन, प्रकाश नागोरी, सतीश कच्छारा, चतर सिंह पामेचा, राज लोढ़ा, आर.के. चतुर, हिम्मत मुर्डिया सहित अनेक श्रद्धालु और गणमान्य जन उपस्थित रहे। धर्मसभा में पारस वल्लभ सेवा मंडल, ऋषभ भक्ति मंडल व सपना बड़ाला सहित कई श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. हरीश चौबीसा ने किया।

# उत्तराखंड हादसे में उदयपुर के दंपती की मौतः वकील की पत्नी का शव भी मिला, दोनों का होगा एक साथ अंतिम संस्कार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में हुए भीषण बस हादसे में उदयपुर के वकील संजय सोनी (55) और उनकी पत्नी चेतना सोनी की मौत हो गई। संजय सोनी का शव हादसे के करीब 24 घंटे बाद घटनास्थल से करीब 7 किलोमीटर दूर मिला था, जबकि उनकी पत्नी का शव शनिवार को श्रीनगर से रतूड़ा के पास, घटनास्थल से करीब 10 किलोमीटर दूर बरामद किया गया। अब दोनों का अंतिम संस्कार एक साथ किया जाएगा। पहले संजय सोनी का अंतिम संस्कार शनिवार शाम होना था, लेकिन चेतना का शव मिलने की सूचना के बाद परिवार ने दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया है। चारधाम यात्रा पर गया था 20 लोगों का दल उल्लेखनीय है कि दस दिन पहले राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के 20 श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर गए थे, जिनमें से 7 लोग उदयपुर के निवासी थे। गुरुवार सुबह केदारनाथ से बद्रीनाथ की ओर जाते समय उनकी बस को एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे बस अलकनंदा नदी में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि उदयपुर के तीन लोग अभी भी लापता हैं। हादसे के 24 घंटे बाद मिला था वकील का शव संजय सोनी का शव हादसे के करीब 24 घंटे बाद घटनास्थल से 7 किलोमीटर दूर मिला था। इसके बाद शनिवार को उनकी पत्नी चेतना का शव भी मिल गया। शव को लाने की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। परिवार और शहर में शोक की लहर संजय सोनी और चेतना सोनी की एक साथ हुई दुखद मौत से उनके भट्ट जी की बाड़ी क्षेत्र सहित पूरे शहर में शोक की लहर है। रिश्तेदार और परिचित अंतिम संस्कार के लिए जुटने लगे हैं।

# चित्तौड़गढ़ शहर में पहली बार भालू का रेस्क्यू, 3 घंटे चले ऑपरेशन में वन विभाग की सतर्कता

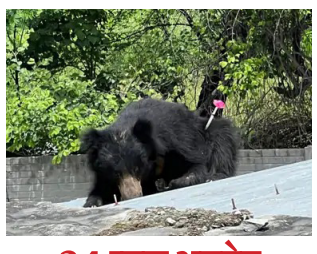

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ शहर में पहली बार एक भालू का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। शनिवार सुबह हुए इस ऑपरेशन में वन विभाग की टीम ने करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद भालू को ट्रेंकुलाइज कर सुरक्षित पकड़ लिया। खास बात यह रही कि भालू ने किसी भी व्यक्ति पर हमला नहीं किया और पूरी तरह शांत बना रहा।

**तीन दिन पहले अभयपुरा घाटे पर दिखा था भालू**

जानकारी के अनुसार, यह भालू पिछले दो महीने से चित्तौड़गढ़ शहर और आस-पास के इलाकों में देखा जा रहा था। तीन दिन पहले यह अभयपुरा घाटे पर नजर आया था। इसके बाद शुक्रवार को रतन महल के पास और शनिवार सुबह संगम महादेव पुलिया के किनारे से बूंदी रोड की ओर बढ़ते हुए भालू को देखा गया। वहां से निकलकर भालू मानपुरा गांव की माइंस एरिया में पहुंच गया। यहां कुछ ग्रामीणों ने भालू को देखा तो उसके पीछे दौड़ने लगे। इससे घबराकर भालू बालाजी क्रेशर की तरफ भागा और एक लोहे की चद्दर पर बैठकर काफी देर तक शांत रहा। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची भालू की लोकेशन मिलते ही सूचना DFO राहुल झांझरिया को दी गई। वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पशु चिकित्सक डॉ. धर्मेंद्र सोन और बस्सी से विशेषज्ञ ट्रेंकुलाइजिंग टीम को भी बुलाया गया। टीम ने पहले भालू को सुरक्षित पकड़ने के लिए नीचे जाल बिछाया ताकि भालू को कोई चोट न लगे। विजयपुर रेंज के सहायक वनपाल मनोहर सिंह जाट ने करीब 20-25 फीट दूरी से ट्रेंकुलाइज गन से भालू को निशाना बनाया। भालू पर दो बार शूट कर दवा दी गई, जिसके कुछ ही मिनटों में वह बेहोश हो गया। 3 घंटे चला ऑपरेशन, भारी भीड़ जुटी पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन में करीब 3 घंटे का समय लगा। इस दौरान मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई। बच्चे, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग सभी भालू को देखने पहुंचे। कई लोग मोबाइल से वीडियो और रील भी बनाने लगे। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित कर वन विभाग की टीम को सहयोग दिया। सात साल का नर भालू, बस्सी सेंचुरी में छोड़ा गया वन विभाग के अनुसार, यह 7 साल का नर भालू है। रेस्क्यू के बाद उसे बस्सी सेंचुरी में सुरक्षित छोड़ दिया गया।

**रेस्क्यू टीम की सराहना**

इस सफल रेस्क्यू में विजयपुर रेंजर चंद्रजीत सिंह, बस्सी के लाइफ रेंजर नरेंद्र विश्नोई, सहायक वनपाल मुकेश खारोल, वन्यजीव प्रेमी मनीष तिवारी, तेज सिंह, नाथू सिंह, भूपेंद्र, प्रकाश सेन सहित कई सदस्यों ने भाग लिया। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह पहला मौका था जब चित्तौड़गढ़ शहर में भालू का रेस्क्यू किया गया, जो उनके लिए एक नया अनुभव और बड़ी उपलब्धि है।

# दुनिया मोह की नींद में सोई है : जैनाचार्य रत्नसेन सूरीश्वर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 28 जून। श्री वासुपूज्य स्वामी जैन संघ महावीर साधना एवं स्वाध्याय समिति अंबामाता में शनिवार को जैनाचार्य श्रीमद् विजय रत्नसेन सूरीश्वर महाराज ने धर्मसभा को प्रवचन देते हुए कहा कि - शरीर रुपी गाड़ी में इन्द्रिया मुसाफिर के समान है और आत्मा ड्राइवर के समान है। यदि आत्मा रूपी ड्राइवर मौजूद है तो शरीर और इंद्रिय रूपी गाड़ी चल सकती है और यदि आत्मा रुपी ड्रायवर इस शरीर रूपी गाड़ी से जाए तो शरीर और इन्द्रिया शक्तिहीन है। सामान्य से हम कहते है कि हम आंखों से देखते है और कानों से सुनते है, पैरों से चलते है और मुख से बोलते हैं। परंतु इन सभी की कीमत कब तक जब तक शरीर में आत्मा है। जैसे ही शरीर में से आत्मा निकल जाती है, इस शरीर को जलाकर नष्ट कर दिया जाता है। जिस घर को सजाने में व्यक्ति अपने पूरे जीवन की कमाई लगा देता है और जिस परिवार के पालन-पोषण में व्यक्ति दिन-रात अथक परिश्रम करता है, व्यक्ति के मरने के बाद वे ही परिवार वाले उसके मूर्दे को बांधकर उस घर से बाहर निकाल देते है। श्मशान में जाकर जला देते है। शरीर की कीमत आत्मा के आधार पर है। आत्मा रहित शरीर की कोई कीमत नहीं है। फिर भी मोह की नींद में सोये हुए अधिकांश लोगों की हालत ऐसी है कि वे दिन रात मात्र शरीर, पुत्र-पत्नी-परिवार और पैसों के पीछे मेहनत करते है, आत्मा के सुख की याद तक नहीं आती है। चारगति रूप संसार में देवगति में अपार भौतिक सुख होने के कारण आत्म जागृति होना कठिन है। नरक गति में अपार दुःख होने के कारण आत्म जागृति होना कठिन है और तिर्यंच गति में अपार भूख, अज्ञानता, अविवेक और अनक्षरता होने के कारण आत्म जागृति होना मुश्किल है। आत्म जागृति का अवसर मात्र मनुष्य गति में ही मिल सकता है। परंतु मोह की निद्रा के कारण प्रायः अधिकांश लोग इस मनुष्य जन्म की कीमत नहीं समझते है।. इस मोह की निद्रा से आत्म जागृति का उपाय मात्र धर्मोपदेश श्रवण से ही शक्य है। विनयपूर्वक धर्मोपदेश श्रवण करने से आत्म जागृति आएगी। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया, महावीर साधना एवं स्वाध्याय समिति अंबामाता के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी, फतेह सिंह मेहता, ललित धूपिया, जसवंत सिंह सुराणा, रणजीत सिंह आदि समस्त कार्यकारिणी सदस्य भी उपस्थित रहे ।

# आयुर्वेद का प्रमुख ध्येय मानव शरीर को निरोगी बनाये रखना - आयुर्वेदाचार्य शर्मा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 28 जून आयुर्वेद चिकित्सा का प्रमुख (70 प्रतिशत ) ध्येय मानव शरीर को निरोगी बनाये रखना होता है व शेष 30 प्रतिशत रोगोपचार करना - यह कहना था धन्वंतरि पुरस्कार से सम्मानित उदयपुर आयुर्वेद महाविद्यालय से सेवनिवृत आयुर्वेदाचार्य प्रो श्रीराम शर्मा का | उन्हीने आज मुस्कान क्लब के सदस्यों को स्वास्थ्य जीवन जीने कला पर सवाद करते हुए कहा की मधुमेह, प्रोस्ट्रेटे ग्रंथि, मेरु दंड ( स्पाइन ), गुर्दे की पथरी आदि सभी जटिल बीमारियों का उपचार आयुर्वेद में संभव है| ओरिएण्टल पैलेस के रिवाह सभागार में आयोजित कार्यक्रम श्रीमती नलिनी बंधु ईश वंदना से प्रारम्भ हुआ| भगवान दास ने बरखा रानी जरा जम के बरसो, सपना वर्मा ने ग़ज़ल - वफ़ा की यहाँ कोई कीमत नहीं होती, सुरेखा बाबेल ने तेरा मेरा प्यार अमर, अशोक जोशी ने दीवाना हुआ बादल, के के त्रिपाठी ने अखियन संग अखियाँ व विमल शर्मा द्वारा रात कली इक ख्वाब सुना संस्कृति प्रस्तुतियां दीं |

मंच संचालक श्री नरेश शर्मा ने विशिष्ठ अतिथि डॉ .श्रीराम शर्मा की उपलब्धियों से सदस्यो को परिचित कराया , एवं मंचासीन पदाधिकारियों द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात मुस्कान सदस्य श्री वी के गुप्ता साहब एवं श्री एस एल चंडालिया ने डॉक्टर शर्मा द्वारा उनकी की गई सफल चिकित्सा के बारे में बताते हुए कहा कि वे दोनों आज डॉ शर्मा की चिकित्सा के प्रणामस्वरूप ही पुनर्जीवित सा अनुभव कर रहें है। डॉक्टर शर्मा द्वारा वैदिक मंत्र के साथ उद्बोधन व मनमोहक बांसुरीवादन से सभी का मन मोह लिया | जून माह में जन्मे उपस्थित सदस्यों व नये सदस्यो का अभिनंदन किया गया। राष्ट्र गान व अल्पाहार से कार्यक्रम का समापन हुआ |

# प्रयाग सेवा संस्थान ने महिलाओं को दिलाया नशा मुक्ति जागरुकता का संकल्प

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रयाग सेवा संस्थान नशा मुक्ति पुनर्वास केंद्र ढीकली की ओर से नशा मुक्ति सप्ताह के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में नारी वैभव मुहिम में महिलाओं को नशा मुक्ति जागरुकता का संकल्प दिलवाया गया।

प्रयाग सेवा स्थान नशा मुक्ति पुनर्वास केंद्र ढीकली के अध्यक्ष रुद्रप्रताप सिंह ने महिलाओं को संकल्प दिलाते हुए कहा कि इस अभियान में महिलाएं अगर आगे जाए तो हम जल्द से जल्द समाज को नशा मुक्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं में किसी भी काम को पूरा करने की दृढ शक्ति होती है। इसी के कारण वे लाखों लोगों को नशे से दूर चुकी है। किसी मोहल्ले में शराब की दुकान खुलने पर पहला विरोध महिला करती है। इसके बावजूद कई लोग समाज के सामने या चोरी छिपे नशा करते हैं। सिर्फ एक व्यक्ति के नशा करने से पूरा परिवार बर्बाद और बदनाम हो जाता है। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि वे अपने परिवार के युवाओं पर नजर रखे। अगर वे नशा करते हैं तो दृढता से उनका नशा छुडवाने का प्रयास करें। अगर नशे की आदत पड जाए तो नशा मुक्ति पुनर्वास केंद्र पर लाए जिससे उनकी जिंदगी बचाई जा सके। इस मौके पर महिलाओं ने भी अपने विचार रखते हुए नशे के कारण उनके आस पडोस व परिवार में हुए नुकसान के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रयाग सेवा संस्थान के निशांत जीनगर, दिनेश गुर्जर व अन्य कई कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

# मुख्यमंत्री ने किया वडंर सीमेंट लि. को शिक्षा विभूषण पुरस्कार से सम्मानित वंडर सीमेंट राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में 10वीं बार पुरस्कृत

24 न्यूज अपडेट

निंबाहेड़ा/वंडर सीमेंट लिमिटेड, आर. के. नगर, निम्बाहेड़ा द्वारा *शिक्षा के क्षेत्र मे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एवं राजकीय विद्यालयों आधारभूत विकास हेतु वर्ष 2024-25 में राशि 3.69 करोड़ रुपये द्वारा विभिन्न राजकीय विद्यालयों में करवाये गये उल्लेखनीय कार्यो हेतु वडंर सीमेंट लि. को राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित'' 29वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह-2025'' में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद्र शर्मा, शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार मदन दिलावर एवं शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव कृष्ण कुणाल सिंह द्वारा ''शिक्षा विभूषण'' पुरस्कार से वंडर सीमेंट लि. सी.एस. आर. के हेमेन्द्र सिंह झाला एवं राहुल व्यास को सम्मानित* किया गया।

इस अवसर पर *वंडर सीमेंट लि. के यूनिट हेड नितिन जैन ने बताया की आर. के. मार्बल ग्रुप की तरह ही वंडर सीमेंट लि. की भी पहली प्राथमिकता राजकीय विद्यालयों का आधारभूत विकास एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा रही हैं। वर्ष 2024-25 में कम्पनी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत विकास के लिए निरन्तर तत्पर रहते हुए नीव इनेशिएटीव के अन्तर्गत परियोजना क्षेत्र के नजदीकी गांवों के समस्त राजकीय विद्यालयों के भौतिक परिवेश में सुधार हेतु राजकीय विद्यालयों में नवीनीकरण कार्य,कक्षा- कक्षों मय बरामदे का निर्माण, इंटरएक्टिव फ्लेट पैनल, कम्प्यूटर लेब की स्थापना, प्रार्थना स्थल, स्टेज, शौचालय युनिट, स्वागत द्वार निर्माण सहित राजकीय विद्यालयों के सभी छात्र-छात्राओं की बैठक व्यवस्था के लिये फर्नीचर सेट भी उपलब्ध कराये गये है।* साथ ही वंडर सीमेंट रूरल डवलपमेंट सेंटर में राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत *कक्षा 5वीं से 12वीं तक के विद्यार्थीयों तथा सभी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों हेतु निःशुल्क कोचिंग सुविधा* एवं शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है।

उल्लेखनीय है की शिक्षा के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिये राज्य सरकार द्वारा *वंडर सीमेंट लि. को अब तक 10वीं बार राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह* से सम्मानित किया जा चुका है। जिसमें लगातार 4 बार शिक्षा जगत के सर्वोच्च पुरस्कार ''शिक्षा विभूषण'' से राजस्थान सरकार ने कम्पनी का सम्मान किया। इस वर्ष कम्पनी की अनुशंषा पर *प्रमोद दशोरा ए.डी. पी.सी. चित्तौड़गढ़ , राजेंद्र शर्मा डी.ई.ई.ओ. चित्तौड़गढ़, श्रीमति कौशल्या शर्मा प्रधानाध्यापक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बांसा, दिलीप हिंगड़ पी.ई.ई.ओ. मंगरोल, जितेंद्र कुमार सोनी पी.ई.ई.ओ. भालुंडी,नन्द सिंह राणावत पी.ई.ई.ओ. अरनोदा, घनश्याम जोशी वरिष्ठ अध्यापक स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल निम्बाहेड़ा को प्रेरक सम्मान* भी समारोह में दिया गया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -